



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 47]

नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 22, 1980/अग्रहायण 1, 1902

No. 47]

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 22, 1980/AGRAHAYANA 1, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I) PART II—Section 3—Sub-section (I)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)
केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम
जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं।

**General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of a general character) issued
by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and
by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)**

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 6 नवम्बर, 1980

सां०का०नि० 1208.—पासपत्र (भारत में प्रवेश) अधिनियम, 1920 (1920 का XXXIV) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, पासपत्र (भारत में प्रवेश) नियम, 1950 में आगे संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम पासपत्र (भारत में प्रवेश) संशोधन नियम, 1980 होगा।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. पासपत्र (भारत में प्रवेश) नियम, 1950 में—

(i) नियम, 4, खंड (1) में, उप-खंड (क) को निकाल दिया जायेगा ;

(ii) नियम 5 में—

(क) खंड (iii) में, “भारत, पाकिस्तान, संका और बंगलादेश के अतिरिक्त”, कोष्ठकों और शब्दों के स्थान पर

“(भारत, श्रीलंका, और बंगलादेश के अतिरिक्त)”
कोष्ठक और शब्द प्रतिस्थापित किये जायेंगे

(ख) खंड (iii) के दूसरे परन्तुक को निकाल दिया जायेगा;
और

(iii) नियम 5-क में “खंड (iv) खंड (iv-क) या खंड (iv-ख)” शब्दों, कोष्ठकों, अंकों और अक्षरों के स्थान पर “खंड (iv) खंड (iv-क) खंड (iv-ख) या खंड (iv-ग) शब्द कोष्ठक, अंक और अक्षर प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

[सं० 12011/2/80-एफ० III]

ग्राह०एम० बिष्ट, धवर सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 6th November, 1980

G.S.R. 1208.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Passport (Entry into India) Act, 1920 (XXXIV of 1920), the Central Government hereby makes the following rules, further to amend the Passport (Entry into India) Rules, 1950, namely :—

1. (1) These rules may be called the Passport (Entry into India) Amendment Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Passport (Entry into India) Rules, 1950 :—

(i) in rule 4, in clause (1), sub-clause (c) shall be omitted;

(ii) in rule 5—

(a) in clause (iii), for the brackets, and words "other than India, Pakistan, Ceylon and Bangladesh)", the brackets and words "(other than India, Sri Lanka and Bangladesh)" shall be substituted;

(b) The second proviso to clause (iii) shall be omitted; and

(iii) in rule 5-A, for the words, brackets, figures and letters "clause (iv) clause (iv-A) or clause (iv-B)", the words, brackets, figures and letters "clause (iv) clause (iv-A) clause (iv-B) or clause (iv-C)" shall be substituted.

[No. 12011/2/80-F. III]

I. S. BIST, Under Secy.

(काबिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 1980

सांख्यिकी 1209.—केन्द्रीय सरकार, सम्बद्ध राज्य सरकारों से परामर्श करने के पश्चात्, अखिल भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अखिल भारतीय सेवा (अखिप्य निधि) नियम, 1955 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम अखिल भारतीय सेवा (अखिप्य निधि)—संशोधन नियम, 1980 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. अखिल भारतीय सेवा (अखिप्य निधि) नियम, 1955 में,—

(i) नियम 13 के उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

"(1) किसी अभिदाता द्वारा नियम 12 के उपनियम (1) के खण्ड (क) से (च) के अधीन निधि में अपने खाते जमा रकम में से निकाली गई कोई राशि—

(क) ऐसी रकम की आधे से, या

(ख) अपने निवास के लिए कोई उपयुक्त मकान बनाने या अर्जित करने की दशा में जिसमें स्थल की कीमत या इस प्रयोजनार्थ लिए गए उधार के प्रति संदाय के लिए या पहले से ही उसके स्वामित्वाधीन या उसके द्वारा अर्जित का पुनर्निर्माण करने या उसमें परिवर्धन या परिवर्तन करने के लिए, अपेक्षित रकम की सम्मिलित है, वास्तविक लागत से, इसमें से जो भी कम हो, अधिक नहीं होगी :

परन्तु मंजूरी प्राधिकारी खण्ड (क) में उपबर्णित परि- सीमा से अधिक किन्तु निधि में अभिदाता के खाते में जमा अतिशेष के तीन चौथाई तक रकम उसकी प्राप्ति और निधि में उसके खाते में जमा रकम को ध्यान में रखते हुए निकालने की मंजूरी दे सकता है किन्तु यह रकम 1,25,000 रु० या 75 मास के वेतन से, इनमें से जो भी कम हो, उससे अधिक नहीं होगी :

परन्तु यह और कि ऐसे अभिदाता की दशा में जिसने मकान बनाने के प्रयोजनों के लिए अग्रिम धन मंजूर करने के लिए निर्माण और आवास मंत्रालय की स्कीम के अधीन अग्रिम धन प्राप्त किया है या जिसे किसी अन्य सरकारी स्रोत से इस बाबत कोई सहायता अनुज्ञात की गई है, इस उपनियम के अधीन निकाली गई रकम के साथ उपर्युक्त स्कीम के अधीन

लिए गए अग्रिम धन की रकम या किसी अन्य सरकारी स्रोत से ली गई सहायता 1,25,000 रु० या 75 मास के वेतन से, इनमें से जो भी कम है, अधिक नहीं होगी।

स्पष्टीकरण :—इस उपनियम के प्रयोजन के लिए, संश्लेषण से संबंधित किसी दस्तावेज के संबंधित किसी दस्तावेज के सम्बन्ध में उपगत वास्तविक समय मकान की कीमत या उधार के प्रतिसंदाय के लिए अपेक्षित रकम में सम्मिलित किया जा सकेगा।

टिप्पण :—ऐसे मामलों में जहां अभिदाता को कम किए गए किसी स्थल या मकान या फ्लैट के लिए या किसी नगर विकास प्राधिकरण या राज्य आवास बोर्ड या किसी गृह निर्माण सहकारी सोसाइटी के माध्यम से बनाए गए किसी मकान या फ्लैट के लिए किस्तों में संदाय करना है, वहां उसे जब कभी किसी किस्त का संदाय करने के लिए कहा जाए, आहरण करने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा। ऐसे प्रत्येक संदाय को नियम 13 के उपनियम (1) के प्रयोजन के लिए पृथक प्रयोजन के लिए संदाय के रूप में माना जाएगा।"—

(ii) नियम 14क के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"14ख बीमारी आदि पर खर्च करने के लिए निकाली जाने वाली अधिकतम रकम

नियम 12 के उपनियम (1) के खण्ड (ग) के अधीन किसी अभिदाता द्वारा निधि में उसके खाते जमा रकम में से निकाली गई रकम ऐसी रकम के आधे या छह मास के वेतन, इनमें से जो भी कम है, तक सीमित होगी :

परन्तु मंजूरी प्राधिकारी इस परि सीमा से अधिक किन्तु निधि में अभिदाता के खाते में जमा अतिशेष के तीन चौथाई तक रकम उसकी प्राप्ति और निधि में उसके खाते में जमा रकम को ध्यान में रखते हुए निकालने की मंजूरी दे सकेगा।"

[सं० 11026/3/79-ए०आई०एस०(III)]

बी० आर० श्रीनिवासन, अवर सचिव

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

New Delhi, the 5th November, 1980

G.S.R. 1209.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), the Central Government, after consultation with the Governments of the States concerned, hereby makes the following rules further to amend the All India Services (Provident Fund) Rules, 1955, namely :—

(1) These rules may be called the All India Services (Provident Fund) 4th Amendment Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the All India Services (Provident Fund) Rules, 1955, (i) for sub-rule (1) of rule 13, the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"(1) Any sum withdrawn by a subscriber under clauses (a) to (f) of sub-rule (1) of rule 12 from the amount standing to his credit in the Fund shall not exceed—

(a) One-half of such amount, or

(b) in the case of building or acquiring a suitable house for his residence, including the cost of the site or the amount required for repayment of the loan taken for this purpose or for reconstruction, or making additions or alterations, to a house already owned or acquired by him, the actual cost, whichever is less :

Provided that the sanctioning authority may sanction the withdrawal of an amount in excess of the limit set out in Clause (a) up to three fourth of

the balance at the credit of the subscriber in the Fund having due regard to his status and the amount to his credit in the Fund, but not exceeding Rs. 1,25,000 or 75 months' pay, whichever is less.

Provided further that in the case of a subscriber who has availed himself of an advance under the scheme of the Ministry of Works and Housing for the grant of advances for house building purposes, or has been allowed any assistance in this regard from any other Government source, the sum withdrawn under this sub-rule together with the amount of advance taken under the aforesaid scheme or the assistance taken from any other Government source, shall not exceed Rs. 1,25,000 or 75 months' pay, whichever is less.

Explanation :—For the purposes of this sub-rule, the actual expenditure incurred in connection with the execution of any document relating to transaction may be included in the cost of the house or the amount required for the repayment of the loan.

Note :—In cases where a subscriber has to pay in instalments for a site or a house or flat purchased, or a house or flat constructed through any Urban Development Authority or a State Housing Board or a House Building Co-operative Society, he shall be permitted to make a withdrawal as and when he is called upon to make a payment of any instalment. Every such payment shall be treated as a payment for a separate purpose for the purpose of sub-rule (1) of rule 13.

(ii) after rule 14A, the following rule shall be inserted, namely :—

14-B. Maximum amount of withdrawal for meeting the expenses on illness etc.—Any sum withdrawn by a subscriber under clause (c) of sub-rule (1A) of rule 12 from the amount standing to his credit in the Fund shall be limited to one half of such amount or six months' pay whichever is less :

Provided that the sanctioning authority may sanction the withdrawal of an amount in excess of this limit upto three-fourths of the balance at the credit of the subscriber in the fund, having due regard to his status and the amount to his credit in the fund."

[No. 11026/3/79-AIS(III)]

V. R. SRINIVASAN, Under Secy.

नागरिक पूति मंत्रालय

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर, 1980

सां०का०नि० 1210.—केन्द्रीय सरकार, बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) की धारा 28 की उपधारा (7) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्य सरकार की सहमति से बिहार राज्य में विधिक मापविद्या का तत्समय पद धारण करने वाले व्यक्ति को, उक्त अधिनियम के भाग 4 के अध्याय 4 उपबन्धों संबंधी विधिक मापविद्या निदेशक की सभी शक्तियां प्रत्यायोजित हैं, सिवाय उन शक्तियों के जो पैकेज के रूप में रखी गई किसी वस्तु के जो किसी अन्तरराज्यीय व्यापार और वाणिज्य के अनुक्रम में बेची, विनिरित या परिदत्त की जाती है, विनिर्माता या पैकर के विरुद्ध कोई शिकायत करने के लिए धारा 72 द्वारा प्रवृत्त की जाती है।

[फा० सं० डब्ल्यू० एम०-9(36)/77]

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES

New Delhi, the 29th October, 1980

G.S.R. 1210.—In exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 28 of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976), the Central Government hereby delegates to the person for the time being holding the Office of the Controller of Legal Metrology in the State of Bihar all the powers of the Director of Legal Metrology pertaining to the provisions of Chapter IV of Part IV of the

said Act, except the powers conferred by section 72 to make a complaint against the manufacturer or packer of any commodity in packaged form, which is sold, distributed or delivered in the course of any inter-State trade and commerce.

[F. No. WM-9(36)/77]

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 1980

सां०का०नि० 1211.—केन्द्रीय सरकार, बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) की धारा 28 की उपधारा (7) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, मिजोराम केन्द्रीय शासित क्षेत्र में विधिक मापविद्या का तत्समय पद धारण करने वाले व्यक्ति को, उक्त अधिनियम के भाग 4 के अध्याय 4 उपबन्धों संबंधी विधिक मापविद्या निदेशक की सभी शक्तियां प्रत्यायोजित हैं, सिवाय उन शक्तियों के जो पैकेज के रूप में रखी गई किसी वस्तु के जो किसी अन्तरराज्यीय व्यापार और वाणिज्य के अनुक्रम में बेची, विनिरित या परिदत्त की जाती है, विनिर्माता या पैकर के विरुद्ध कोई शिकायत करने के लिए धारा 72 द्वारा प्रवृत्त की जाती है।

[फा० सं० डब्ल्यू० एम०-9(36)/77]

ए० आर० बन्धोपाध्याय, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 4th November, 1980

G.S.R. 1211.—In exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 28 of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976), the Central Government hereby delegates to the person for the time being holding the Office of the Controller of Legal Metrology in the Union Territory of Mizoram all the powers of the Director of Legal Metrology pertaining to the provisions of Chapter IV of Part IV of the said Act, except the powers conferred by section 72 to make a complaint against the manufacturer or packer of any commodity in packaged form, which is sold, distributed or delivered in the course of any inter-State trade and commerce.

[F. No. WM-9(36)/77]

A. R. BANDYOPADHYAY, Jt. Secy.

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 1980

सां०का०नि० 1221.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के अन्तर्गत द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सर्वेक्षण वर्ग 1, भर्ती नियम, 1960 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारत सर्वेक्षण समूह "क", भर्ती (संशोधन) नियम, 1980 हैं।

2 ये राजपत्र में प्रकाशम की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भारत-सर्वेक्षण वर्ग I भर्ती नियम, 1960 में,—

(1) "वर्ग I" और "वर्ग II" शब्दों और अंकों के स्थान पर जहां भी वे घामे हैं, क्रमशः समूह "क" और समूह "ख" शब्द और अक्षर रखे जाएंगे,

(2) नियम 5 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

"5. (1) व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे धारक्षकों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

(2) नियम शिथिल करने की शक्ति :—जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से

परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

(3) नियम 27 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा अर्थात् —

“27 (क) अर्हताएं

आवश्यक

किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरी में उपाधि या गणित भौतिकी में कम से कम द्वितीय श्रेणी में स्नातकोत्तर उपाधि या समतुल्य या सर्वेक्षण संस्था (भारत) से भूसर्वेक्षण में अंतिम उत्तीर्ण या किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से फोटोग्राममिति/भूगणित में स्नातकोत्तर अर्हता या समतुल्य।

(अर्हताएं, अन्यथा सुप्रसिद्ध अभ्यर्थियों की वशा में, आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं।)

(ख) आयु सीमा

30 वर्ष, अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के अभ्यर्थियों के मामलों में, समय समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार शिथिल की जा सकती है।

परन्तु अन्य व्यक्तियों के लिए, आयु सीमा आयोग के विवेकानुसार अपवादात्मक परिस्थितियों में तीन वर्ष तक शिथिल की जा सकती है;

परन्तु यह और कि सरकारी सेवकों के मामले में आयु सीमा के निर्बन्धन लागू नहीं होंगे।

टिप्पण :-—आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख, प्रत्येक मामले में, भारत में रहते वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अन्धसात और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी।”

[फा० सं० 1/47/78-एस०एम०पी०]

एस० एल० मेहदीरत्ता, अवर सचिव

DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY

New Delhi, the 5th November, 1980

G.S.R. 1212.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Survey of India Class I Recruitment Rules, 1960 namely :—

(1) These rules may be called the Survey of India Group A' Recruitment (Amendment) Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Survey of India Class I Recruitment Rules, 1960—

(1) for the words and figures “Class I” and “Class II” wherever they occur the words and letters “Group ‘A’” and “Group ‘B’” shall respectively be substituted;

(2) for Rule 5, the following Rule shall be substituted, namely :—

“5 (1) Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for Scheduled Castes and Scheduled Tribes and other special Categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

(2) Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons”.

(3) for Rule 27, the following rule shall be substituted, namely :—

“27(A) Qualifications

Essential

Degree in Civil Engineering or at least Second Class Master's degree in Mathematics/Physics of a recognised University or equivalent or pass in the final examination of the Institution of Surveyors (India) in Land Surveying or Post Graduate qualifications of a recognised university in Photogrammetry/Geodesy or equivalent. (Qualifications relaxable at the Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified).

(b) Age limits :

30 years, with relaxation in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes/the Scheduled Tribes and other special categories in accordance with the general orders issued from time to time.

Provided that for others, the age limit may be relaxed upto 3 years in exceptional circumstances at the discretion of the Commission. Provided further that the restriction in age limit shall not apply in the case of Government servants.

Note.—The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).”

[No. 1-47-78 SMP]

S. L. MEHNDIRATTA, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 1980

सांका०वि० 1213.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एम० द्वारा अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) अर्थात् नियम, 1980 में निम्नलिखित संशोधन करते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) अर्थात् (संशोधन) नियम, 1980 है।

(2) यह सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से लागू होंगे।

2. अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) अर्थात् नियम, 1980 की अनुसूची के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

अनुसूची						
पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	व्ययन पद अथवा व्ययन	सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों की आयु सीमा	सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक तथा अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
अनुसंधान अधिकारी (यूनानी)	एक	सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह "ख" राजपत्रित	650-30-740- 35-810-२००- 35-880-40- 1000-२०००- 40-1200 रुपये	व्ययन	35 वर्ष से अनधिक (सर्कारी कर्मचारियों के लिए शिथिलनीय) नोट : आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से उनको छोड़ कर जो अष्टेमान निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप में रहते हैं। आबेदन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तारीख होगी।	अनिवार्य : 1. भारतीय चिकित्सा पद्धति केन्द्रीय परिषद् अधिनियम, 1970 की दूसरी अनुसूची के भाग 2 या तीसरी अनुसूची के भाग 2 में शामिल की गई कोई माय्यता प्राप्त चिकित्सा अर्हता। 2. भारतीय चिकित्सा पद्धति के केन्द्रीय या राज्य रजिस्टर में नामांकन। 3. यूनानी चिकित्सा पद्धति में अनुसंधान / शिक्षण / क्लिनिकल कार्य का पांच वर्ष का अनुभव। 4. उर्दू/फार्सी/अरबी में भाषा निपुणता। नोट :—1. अभ्यथा सुयोग्य उम्मीदवारों के मामले में संघ लोक सेवा आयोग के विवेक पर अर्हताएं शिथिलनीय हैं। नोट :—2. यदि संघ लोक सेवा आयोग कथन करते समय किसी स्टेज पर यह अनुभव करता है कि अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए मारक्षित पदों को भरने के लिए अपेक्षित अर्हताएं रखने वाले इन जातियों के उम्मीदवार पर्याप्त सं० में उपलब्ध नहीं हैं तो इनके लिए अनुभव संबंधी अर्हताएं संघ लोक सेवा आयोग के विवेक पर शिथिलनीय हैं। बौद्धिक :—किसी मान्यता प्राप्त विषयविद्यालय/सांख्यिक राज्य बोर्ड / परिषद्/यूनानी चिकित्सा पद्धति संकाय की स्नातकोत्तर डिग्री / डिप्लोमा या इसके समतुल्य अर्हता।
सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए बिहित आयु श्रेणी शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं	परीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधी होगी या प्रोन्नति द्वारा अथवा प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तों की प्रतिशता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा में परामर्श किया जाएगा	
8	9	10	11	12	13	
आयु : नहीं शैक्षिक अर्हताएं	2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा, उसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।	प्रोन्नति अनुसंधान सहायक (यूनानी) जिन्होंने उस ग्रेड में नियमित नियुक्ति के बाद 8 वर्ष की	समूह "ख" विभागीय प्रोन्नति समिति जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे :— 1. स्वदेशी चिकित्सा पद्धति	सीधी भर्ती करते समय और इन नियमों के किसी अपवाद में संशोधन शिथिल	

11

12

13

सेवा पूरी कर ली हो।

प्रभाग के प्रभारी संयुक्त
सचिव

—अध्यक्ष।

2. उपसचिव (स्वदेशी
बिक्रित्सा पद्धति)/
निदेशक (प्रशासन)
—सदस्य3. उप-सलाहकार
(यूनानी) —सदस्य

नोट :—सीधी भर्ती के
उम्मीदवारों को स्थाई
करने संबंधी विभा-
गीय पदोन्नति समिति
की कार्यवाही स्वीकृति
के लिए संघ लोक सेवा
आयोग को भेजनी
होगी। तथापि यदि
आयोग द्वारा इस कार्य-
वाही की स्वीकृति न
दी जाए तो संघ लोक
सेवा आयोग के अध्यक्ष
अथवा किसी सदस्य की
अध्यक्षता में विभागीय
पदोन्नति समिति की
बैठक दोबारा होगी।

[सं. ए० 12018/8/76-स्थापना-] आई०एस०एम०]

हिस्मत सिंह धकालिया, प्रवर सचिव

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 5th November, 1980

G.S.R. 1213.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Research Officer (Unani) Recruitment Rules, 1980, namely :—

- (1) These rules may be called the Research Officer (Unani) Recruitment (Amendment) Rules, 1980.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. For the Schedule to the Research Officer (Unani) Recruitment Rules, 1980 the following Schedule shall be substituted, namely :—

SCHEDULE

Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selected post or non-selection post	Age-limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
Research Officer (Unani)	One	General Central Service Group 'B' Gazetted	Rs.650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200	Selection	Not exceeding 35 years (Relaxable for Govt. Servants) Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (Other than those in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep)	Essential (i) A recognised medical qualifications included in Part II of the Second Schedule or part II of the Third Schedule to the Indian Medicine Central Council Act, 1970. (ii) Enrolment on the Central or a State Register of Indian Medicine (iii) 5 years research/teaching/clinical experience in Unani System of Medicine.

1	2	3	4	5	6	7
					(iv) Proficiency in Urdu/Persian/Arabic Note : 1. Qualifications are relaxable at the discretion of the UPSC in case of candidates otherwise well qualified. Note : 2. The qualifications regarding experience is/are relaxable at the discretion of the UPSC in the case of candidates belonging to S.C./S.T. if at any state of Selection the UPSC is of the opinion that sufficient number of candidates possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them. Desirable : Post-graduate degree/diploma in Unani from a recognised University/Statutory State Board/Council/Faculty in Unani Medicine or equivalent	
Whether age & educational prescribed for direct recruits will apply in case of promotion	Period of probation, if any	Method of rectt. whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists What is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
Age : No Educational Qualifications—Yes	2 years	By promotion failing which by direct recruitment.	Promotion : Research Assistant (Unani) with 8 years service in the Grade rendered after appointment thereto on a regular basis.	Group 'B' Departmental Promotion Committee consisting of— (i) Joint Secretary In-charge of Indian System of Medicine Division—Chairman (ii) Deputy Secretary (Indian System of Medicine)/Director (Administration)—Member (iii) Deputy Adviser (Unani)—Member (iv) Under Secretary (Indian System of Medicine)—Member Note : The Proceeding of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation of the direct recruits shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission, a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.	Consultation with the Union Public Service Commission necessary while making direct recruitment and amending/relaxing any of the provisions of these rules.	

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 1980

सांकांनि० 1214—केन्द्रीय सरकार, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम अधिनियम, 1962 (1962 का 26) की धारा 3 की उपधारा (4) के अनुसरण में, भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (मिजिल पूर्ति और सहकारिता विभाग) की अधिसूचना संख्या सांकांनि० 192(अ), तारीख 5 अप्रैल, 1975 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, "भवस्यो के नाम," शीर्ष के अधीन "सब (2) केन्द्रीय मंत्रालयों से धारा 3(4) (ii) के अधीन नामनिर्देशित" के नीचे, उपमद (ii) और (iii) तथा उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित उप सब और प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी, अर्थात् :—

"(ii) नागरिक पूर्ति मंत्रालय ;

(iii) ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय ; "

[फा० सं० एल०-12011/2/78-ए०सी०एम०पी]

टी० आर० त्रेहन, अवर सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture and Cooperation)

New Delhi, the 4th November, 1980

G.S.R. 1214.—In pursuance of sub-section (4) of Section 3 of the National Cooperative Development Corporation Act, 1962 (26 of 1962), the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Civil Supplies and Cooperation) No. G.S.R. 192(E), dated the 5th April, 1975, namely :—

In the said notifications, under the heading "Names of Members", under item "2 Nominees under Section 3(4)(ii) from the Central Ministries" for sub-items (ii) and (iii) and entries relating thereto, the following sub-items and entries shall be substituted, namely :—

"(ii) Ministry of Civil Supplies ;

(iii) Ministry of Rural Reconstruction ;"

[F. No. L-12011/2/78-ACMP]

T. R. TREHAN, Under Secy.

मौजहान और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर, 1980

सांकांनि० 1215.—सहा पत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (i) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "कोचीन पत्तन कर्मचारी (प्रवकाश) प्रथम संशोधन विनियम, 1979" शीर्षक विनियम को प्रसूचित करती है जो उक्त अधिनियम की धारा 124 की उपधारा (2) के साथ पठित इसी अधिनियम की धारा 28 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कोचीन पत्तन न्यामियों के द्वारा निमित्त हुए और जो फेरल सरकार के राजपत्र दिनांक 31-7-1979 तथा 7-8-1979 में प्रकाशित हुए थे।

2. उक्त विनियम भारत के राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से लागू होगा।

[संख्या पी० डब्ल्यू०-पी० ई० एक्स-67/79]

बिमल पांडे, अवर सचिव

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 30th October, 1980

G.S.R. 1215.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 read with sub-section (1) of Section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves of the Regulation entitled "Cochin Port Employees (Leave) first Amendment Regulations, 1979" made by the Board of Trustees of the Port of Cochin in exercise of the powers conferred by section 28 read with sub-section (2) of section 124, of the said Act, and published in the Kerala Government Gazette dated the 31-7-79 and the 7-8-1979.

2. The said regulations shall come into force on the date of the publication of this notification in the Official Gazette.

[No. PW/PEX-67/79]

BIMAL PANDE, Under Secy.

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

CORRIGENDUM

New Delhi, the 10th November, 1980

G.S.R. 1216.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Works and Housing, G.S.R. No. 1007, dated 5th September, 1980 published at page 2105 of the Gazette of India, Part-II, Section 3, sub-section (i), dated 27th September, 1980 at page 2105,—

(i) in line 40, for "increase", read "increased"

(ii) in line 57, for "of" read "or".

[No. K-11011/5/80/DD II.B]

H. R. GOEL, Dy. Secy.

पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर, 1980

सांकांनि० 1217.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्परुका द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा नागर विमानन विभाग, अधीनस्थ कार्यालय (श्रेणी II पद) अर्थात् नियमावली, 1972 का संशोधन करते हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों को नागर विमानन विभाग अधीनस्थ कार्यालय (श्रेणी III पद) अर्थात् (संशोधन) नियम 1980 कहा जाएगा।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रबल होंगे।

2. नागर विमानन विभाग, अधीनस्थ कार्यालय (श्रेणी III पद) अर्थात् नियम, 1972 में :—

(i) जहाँ कहीं भी अधिव्यक्ति "श्रेणी III" आए, उसके स्थान पर अधिव्यक्ति "समूह ग" प्रतिस्थापित कर दी जाये।

(ii) अनुसूची में कनिष्ठ लिपिक के पद सम्बन्धित क्रम संख्या 4 के सामने खाना 10 के अन्तर्गत मौजूदा इश्वराजों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित कर दिया जाये अर्थात् :—

"सीधे अर्थात् द्वारा"

टिप्पणी 1. 10 प्रतिशत रिक्त स्थान ग्रुप "ब" के कर्मचारियों (जो नियमित स्थापना पर नियुक्त हों) के लिए धारभित रहेंगे, बशर्ते कि वे निम्नलिखित शर्तें पूरी करते हों :

(क) चयन एक विभागीय परीक्षा द्वारा उन "समूह" 'ब' कर्मचारियों में से किया जाएगा जो न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता रखते हैं।

- (ख) इस परीक्षा के लिए अधिकतम आयु 45 वर्ष होगी (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के लिए 50 वर्ष)
- (ग) "समूह व" में कम से कम 5 वर्ष की सेवा अनिवार्य है।
- (घ) इस पद्धति से भर्ती किए जाने वालों की अधिकतम संख्या वर्ष भर में कनिष्ठ लिपिकों के रिक्त पदों को 10 प्रतिशत होगी। खाली रिक्तियों को आगामी वर्ष में अंग्रेजित नहीं किया जाएगा।

टिप्पणी—इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से नागर विमानन विभाग का टेलीप्रिन्टर ऑपरेटर संवर्ग कनिष्ठ लिपिकों के संवर्ग में मिला दिया जाएगा तथा उनकी वरीयता विनयन की तारीख को, नागर विमानन विभाग में नियमित रूप से कार्यरत कनिष्ठ लिपिकों के बाद नियत की जाएगी।

[सं० ए०-11014/2/76-ई०एस०(वी०ई०/एस०एफ०एम०)]
आर० एन० गुप्ता, प्रवर सचिव

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

New Delhi, the 27th October, 1980

G.S.R. 1217.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Civil Aviation Department, Subordinate Offices (Class III posts) Recruitment Rules, 1972, namely:—

1. (1) These rules may be called the Civil Aviation Department Subordinate Offices (Class III posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Civil Aviation Department Subordinate Offices (Class III posts) Recruitment Rules, 1972,

- (i) for the expression "Class III", wherever it occurs, the expression "Group C" shall be substituted;
- (ii) in the schedule, against the post at serial No. 4, relating to Junior Clerk, for the entries under column 10, the following shall be substituted, namely:

"By direct recruitment.

Note. I. 10 per cent of the vacancies shall be reserved for being filled up by Group D employees (borne on regular establishment) subject to the following conditions:—

- (a) Selection shall be made through a Departmental examination confined to such Group D employees who fulfil the requirement of minimum educational qualification.
- (b) Maximum age for this examination shall be 45 years (50 years for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates).
- (c) At least 5 years' service in Group D be essential.
- (d) The maximum of recruits by this method would be limited to 10 per cent of the vacancies in the

cadre of Junior Clerk occurring in a year. Unfilled vacancies would not be carried over.

Note. II. The cadre of Teleprinter Operator in the Civil Aviation Department shall be merged into the cadre of Junior Clerks from the date of issue of this notification and their seniority shall be fixed by placing them below the Junior Clerks who are working on regular basis in the Civil Aviation Department on the date of such merger."

[No. A. 11014/2/76-ES(VE/SFS)]

R. N. GUPTA, Under Secy.

संचार दंडाराय

(आक तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 15 नवम्बर, 1980

सा. का. नि. 1218.—केन्द्रीय सरकार भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का तंरहवा) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय तार नियम 1951 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्न नियम बनाती है।

1. (1) इन नियमों का नाम भारतीय तार (छठा संशोधन) नियम 1980 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय तार नियम 1951 के नियम 434 के खण्ड 3 की मद (1) की उप मद (क) के "साधारण और विशेष्यार्ग के आवेदन-पत्र" शीर्ष के नीचे तालिका में, "एक समान दर विनिमय" से संबंधित कलम 4 में, उस शीर्षक में "100 लाइन से कम" शब्दों के लिए "100 लाइन और उससे कम" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

[सं. 2-2/79-पी एच ए]

एम. बी. रामामूर्ति, निदेशक फोन (ई)

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(Posts & Telegraphs)

New Delhi, the 15th November, 1980

G.S.R. 1218.—In exercise of the powers conferred by section 7 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Telegraph Rules, 1951, namely:—

1. (1) These rules may be called the Indian Telegraph (Sixth Amendment) Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Telegraph Rules, 1951, in Rule 434 in Section IIIA, in item (1) in sub-item (a), in the Table, under the heading "GENERAL AND SPECIAL CATEGORY APPLICATIONS", in column 4 relating to "Flat Rate Exchanges", in the sub-heading for the words "Under 100 lines", the words "100 lines and below" shall be substituted.

[F. No. 2-2/79-PHA]

M. B. RAMAMURTHY, Director of Phones (E)

